Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya
A public state university under Madhya Pradesh act no. XV of 2008
Accredited with Grade 'A' by NAAC
Desas Road, Ujjain, Madhya Pradesh (Bharat) – 456010
E-mail – regpsvvmp@rediffmail.com, Website – www.mpsvv.ac.in

आन्तरिक गुणवत्ता एवम् आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)

बैठक कार्यवाही विवरण

बैठक दिनांक – 13 अप्रैल 2026

बैठक का समय – 11.00 A.M

माध्यम- गूगलमीट

उपस्थिति

1. प्रो. शिवशङ्कर मिश्र - अध्यक्ष
   कुलगुरु,
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
2. डॉ. दिलीप सोनी - सदस्य
   कुलसचिव
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
3. प्रो. हरिप्रसाद दीक्षित - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
4. प्रो. सीमा शर्मा - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, कला संकाय
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
5. डॉ. हरेन्द्र भार्गव - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
6. डॉ. तुलसीदास परौहा - सदस्य
   विभागाध्यक्ष, संस्कृत साहित्य विभाग
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
7. डॉ. पूजा उपाध्याय - सदस्य
   विभागाध्यक्ष, (प्र.) विशिष्ट संस्कृत विभाग
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
8. डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी - सदस्य
   विभागाध्यक्ष, (प्र.) व्याकरण विभाग
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

9. डॉ. उपेन्द्र भार्गव - सदस्य
   विभागाध्यक्ष (प्र.), ज्योतिष विभाग
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
10. डॉ. संकल्प मिश्र - सदस्य
   विभागाध्यक्ष (प्र.), वेद विभाग
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
11. डॉ. विरूपाक्ष जड्डीपाल - सदस्य
   सचिव
   महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान,उज्जैन, म.प्र.
12. प्रो. कल्पना सिंह - सदस्य
   प्राचार्या
   प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस
   शासकीय माधव महाविद्यालय, उज्जैन, म.प्र.
13. प्रो. नागेश्वर राव - सदस्य
   पूर्व कुलपति
   इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली
14. श्री लोकेश डाबी - सदस्य
   छात्र, (शास्त्री-शिक्षाशास्त्री)
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
15. श्री राहुल शर्मा - सदस्य
   पूर्व छात्र (योग विभाग)
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन
16. डॉ. शुभम् शर्मा - समन्वयक
   विभागाध्यक्ष, (प्र.) ज्योतिर्विज्ञान विभाग
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

बैठक के आरम्भ में समन्वयक द्वारा अध्यक्ष महोदय का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् समस्त सदस्यों का स्वागत एवम् अभिनन्दन किया गया। प्रकोष्ठ के नवीन पुनर्गठन के पश्चात् यह प्रथम बैठक थी, अतः माननीय कुलगुरु जी के द्वारा भी समस्त सदस्यों का अभिनन्दन किया गया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। बैठक में प्रो. नागेश्वर राव तथा प्रो. कल्पना सिंह द्वारा महत्त्वपूर्ण सुझाव दिये गये। प्रो. राव ने सुझाव दिया कि कार्यसूची नैक निकष के आधार पर निर्मित की जावे। आपने समर्थ, स्वयं पोर्टल, स्वयंप्रभा तथा ODL पाठ्यक्रमों के सञ्चालन की प्रक्रिया आदि पर उपयोगी जानकारी दी। प्रो. कल्पना सिंह ने सुझाव दिया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ, IQAC द्वारा ऐसे कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम प्रारम्भ करावे, जिन

पर स्थानीय महाविद्यालय आदि को मार्गदर्शन (मैन्टरिंग) दिया जा सके। प्रो. सिंह ने वित्तीय स्त्रोतों के प्रबन्धन हेतु IQAC द्वारा ऐसी समिति निर्मित करने का सुझाव दिया, जिसमें विश्वविद्यालय से असम्बद्ध CA तथा सदस्य रहें। माननीय कुलगुरुजी द्वारा उक्त सुझावों हेतु सदस्यद्वय का अभिनन्दन किया गया तथा आगामी बैठक के पूर्व इन सुझावों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारम्भ करने का निर्देश दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलगुरु प्रो. शिवशङ्कर मिश्र ने पुनः सभी सदस्यों का अभिनन्दन किया। बैठक के अन्त में डॉ. तुलसीदास परौहा द्वारा अध्यक्ष महोदय तथा समस्त सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही सम्पन्न की गई।

बैठक में अधोलिखित प्रस्तावों पर चर्चा की गयी-

विषय क्रमांक 1 - पूर्ववर्ती 16वीं बैठक दिनांक 03.10.2025 की कार्यवाही तथा कार्यपालन प्रतिवेदन की पुष्टि
टिप्पणी- पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत-
संस्तुति- अनुमोदित

विषय क्रमांक 2 – IIQA भरने सम्बन्धी सूचना।
टिप्पणी – विश्वविद्यालय के नैक प्रत्यायन के उपरान्त प्रति वर्ष IIQA भरना आवश्यक है, किन्तु नैक द्वारा प्राप्त मेल तथा पोर्टल पर प्राप्त सूचना अनुसार सम्प्रति यह विंडो बन्द है। चूँकि यह प्रक्रिया सभी के लिए बन्द है, अतः IIQA सम्प्रति भरा नहीं गया है। नैक पोर्टल पर विंडो खुलने पर तत्कालीन दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रक्रिया पूर्ण कर ली जावेगी।
संस्तुति- प्रो नागेश्वर राव ने नैक से मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करने का सुझाव दिया। सुझाव सर्वसम्मति से स्वीकृत। प्रो कल्पना सिंह ने नैक के नवीन दिशानिर्देशों के अनुसार तैयारी रखने का सुझाव दिया। सुझाव सर्वसम्मति से स्वीकृत।

विषय क्रमांक 3 – विश्वविद्यालय में निर्माण तथा बजटवृद्धि सम्बन्धी सूचना।
टिप्पणी – मध्यप्रदेश शासन द्वारा विश्वविद्यालय के उज्जैन तथा रीवा परिसर हेतु जो निर्माण से सम्बन्धित बजट स्वीकृत किया था, तदनुसार निर्माणप्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है। साथ ही नवीन वित्तीय वर्ष हेतु विश्वविद्यालय को प्राप्त शासकीय अनुदान में 2 करोड़ की वार्षिक वृद्धि हुई है, जिसके साथ विश्वविद्यालय हेतु शासन ने 7 करोड़ की राशि स्वीकृत की है।
संस्तुति- सूचना ग्रहण की गयी।

विषय क्रमांक 4 – गुणवत्ता तथा विश्वविद्यालय के सामाजिक विस्तार हेतु किये गये कार्यक्रमों की सूचना।

टिप्पणी – विश्वविद्यालय में सत्र 2026-27 में दो अन्तर्राष्ट्रीय सङ्गोष्ठियों समेत अनेक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/विशिष्ट व्याख्यान आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 'संस्कृत गौरव ग्रन्थमाला' समेत अनेक नवाचार कार्यक्रम भी आरम्भ किये गये। श्री रामानुज संस्कृत परिसर लक्ष्मण बाग, रीवा में भी राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय उपमुख्यमन्त्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की मुख्यातिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति प्राप्त हुई।

संस्तुति- सूचना ग्रहण की गयी। बैठक में सुझाव प्राप्त हुआ कि आगामी बैठकों में ऐसी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जावे। सुझाव सर्वसम्मति से स्वीकृत।

विषय क्रमांक 5 – MOU प्रारूप परीक्षण समिति गठन सूचना।

सत्र 2026-27 में 5 नवीन MOU किये जा चुके हैं। प्रक्रियाधीन MOU के प्रारूप आदि के परीक्षण हेतु माननीय कुलगुरु जी द्वारा एक समिति गठित की गयी है। समिति के सदस्य निम्नवत् हैं-

डॉ. शुभम् शर्मा

डॉ अखिलेश कुमार द्विवेदी

डॉ विवेकानन्द लक्ष्मण

श्री प्रेमप्रकाश शुक्ल

संस्तुति- सूचना ग्रहण की गयी। कुलसचिव जी द्वारा शासकीय विज्ञान महाविद्यालय से रिकार्डिंग स्टूडियो तथा सान्ध्यकक्षा सदृश विषयों पर MOU करने का सुझाव दिया गया। सुझाव सर्वसम्मति से स्वीकृत।

विषय क्रमांक 6 – समर्थ पोर्टल में प्रवेश प्रक्रिया विषयक।

टिप्पणी – उच्चशिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के पत्र क्रमांक 330/2604187/38-3, दिनांक 31/03/2026 के बिन्दु क्रमांक 3 के अनुसार सत्र 2026-27 हेतु यूटीडी की प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से किये जाने का उल्लेख है। तदनुक्रम में समर्थ टीम से प्रशिक्षण हेतु संवाद जारी है। समर्थ टीम के साथ हुई विश्वविद्यालयों की बैठक के अनुसार प्रारम्भ में कुछ सीमित कार्यक्रमों को समर्थ पर लाया जा सकता है। प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ होने में अधिक समय न होने के कारण स्नातक उपाधि के कुछ कार्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल पर प्रारम्भ की जा सकती है, ताकि शासन के निर्देशों का पालन भी सुनिश्चित हो तथा प्रवेश प्रक्रिया में नवीन पोर्टल चयन के कारण कोई विलम्ब भी न हो।

संस्तुति- यथा प्रस्ताव अनुमोदित।

विषय क्रमांक 7 – सत्र 2026-27 में छात्रों के इन्डक्शन प्रोग्राम हेतु गतिविधियों पर सुझाव आमन्त्रण।

टिप्पणी – प्रतिवर्ष शासन के दिशानिर्देश अनुसार दीक्षारम्भ समारोह में प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इनमें अन्य किसी उत्तम गतिविधि को जोड़ने हेतु सुझाव आमन्त्रित हैं।

संस्तुति- आई.क्यू.ए.सी द्वारा समय समय पर नैक/यू.जी.सी/उच्चशिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप कार्यक्रमों की विस्तृत सूची निर्मित कर कार्यक्रम सञ्चालित किए जावें।

विषय क्रमांक 8 – सत्र 2026-27 में शिक्षकों तथा कर्मचारियों हेतु प्रबोधन/प्रशिक्षण गतिविधियों पर सुझाव आमन्त्रण।

टिप्पणी – इस विषय में छात्र शिक्षक सम्बन्ध, प्रशासनिक कौशल, संस्कृत सम्भाषण आदि पर केन्द्रित प्रबोधन/प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किये जाते हैं। नवीन गतिविधियों हेतु सुझाव आमन्त्रित हैं।

संस्तुति- आई.क्यू.ए.सी द्वारा समय समय पर नैक/यू.जी.सी/उच्चशिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप कार्यक्रमों की विस्तृत सूची निर्मित कर कार्यक्रम सञ्चालित किए जावें।

विषय क्रमांक 9 – अकादमिक आडिट् करने विषयक।

टिप्पणी – विश्वविद्यालय का अकादमिक आडिट नैक के पूर्व किया गया था। पूर्व में अकादमिक आडिट करने वाले आचार्यों से पुनः आडिट करवाया जा सकता है। प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत।

संस्तुति- विश्वविद्यालय प्रशासन को अधिकृत किया गया।

विषय क्रमांक 10 – छात्र प्रोत्साहन राशि प्रदान करने विषयक।

टिप्पणी – नैक मूल्यांकन सम्बन्धी प्रतिवेदन निदर्शिका के प्रश्न क्रमांक 5.2.5 में विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रसिद्ध परीक्षाओं/प्रतिस्पर्धाओं/शास्त्रार्थ सभा आदि हेतु छात्रों के प्रोत्साहन सम्बन्धी सहयोग तन्त्र तथा प्रयासों की जानकारी देने का उल्लेख है। विश्वविद्यालय द्वारा अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रतियोगिता आदि में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाता रहा है, किन्तु इस विषय में कोई निर्धारित नीति नहीं है। राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को 'पाणिनि गौरव प्रशस्तिपत्र' तथा ऐसी स्तरीय स्पर्धाओं हेतु बाहर जाकर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र हेतु ₹750, द्वितीय स्थान हेतु ₹500 तथा तृतीय/प्रोत्साहन स्थान हेतु ₹250 अथवा इसके लगभग मूल्य की सामग्री द्वारा छात्रों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत।

संस्तुति- विचारोपरान्त अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय अथवा राज्य स्तर पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को 'पाणिनि गौरव प्रशस्तिपत्र' तथा ऐसी स्तरीय स्पर्धाओं हेतु बाहर जाकर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र हेतु ₹1000, द्वितीय स्थान हेतु ₹750 तथा तृतीय/प्रोत्साहन स्थान हेतु ₹500 अथवा इसके लगभग मूल्य की सामग्री द्वारा छात्रों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था स्वीकृत। इस व्यवस्था के क्रियान्वयन हेतु एक स्पष्ट नीति निर्धारित की जाये।

विषय क्रमांक 11 – सान्ध्यकालीन ऑनलाइन प्रशिक्षण/प्रमाणपत्रीय कार्यक्रमों हेतु शुल्क एवं मानदेय निर्धारण।

टिप्पणी – अध्यापन विभागों द्वारा समाज में व्यावसायिक मान्यता वाले सशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने से शासकीय अथवा निजी सेवाओं से जुड़े हुए सामाजिक गण भी लाभान्वित होंगे तथा विभाग को भी अर्थलाभ होगा। 15 दिवस के (24 कालांश+6 अभ्याससत्र/मौखिकी सत्र) प्रशिक्षण/प्रमाणपत्रीय कार्यक्रम हेतु ₹2000/- शुल्क सत्र 2023 में ज्योतिष परिचय कार्यक्रम हेतु घोषित की गयी थी। बाह्य तथा विश्वविद्यालयीय शिक्षकों (स्थायी तथा अतिथि प्राध्यापक) को प्रतिकालांश 1000 मानदेय प्रदान किया गया था। उक्त आधार पर शुल्क तथा मानदेय राशि स्वीकृत कर ऐसे कार्यक्रमों का सञ्चालन किया जाना समुचित होगा। न्यूनतम 20 छात्रों की सहभागिता होने पर ही उक्त कार्यक्रम सञ्चालित किये जावें तथा मानदेय वितरण के उपरान्त शेष राशि को सम्बन्धित विभाग हेतु उपकरण/ग्रन्थ आदि के क्रयण अथवा निःशुल्क कार्यक्रमों में मानदेय राशि की व्यवस्था हेतु उपयोग किया जा सकता है। प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत।

संस्तुति- आवश्यकतानुसार अग्रिम बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत किया जावे।

विषय क्रमांक 12 – समस्त आचार्यों को FDP में आवश्यक सहभागिता सुनिश्चित करने विषयक।

टिप्पणी – समस्त शिक्षकों के लिए दो वर्ष की अवधि में न्यूनतम एक FDP में सहभागिता करने हेतु दिशानिर्देश जारी किये जा सकते हैं। प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत।

संस्तुति- आवश्यकतानुसार अग्रिम बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत किया जावे।

विषय क्रमांक 13 – ई-साप्ताहिकी प्रकाशित करने विषयक।

टिप्पणी – विश्वविद्यालय की साप्ताहिक गतिविधियों की जानकारी प्रसारित करने हेतु ई-साप्ताहिकी प्रारम्भ करने की योजना है। वर्षान्त में ई-साप्ताहिकी के सङ्कलन को मुद्रित कराये जाने पर विश्वविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों का व्यवस्थित प्रतिवेदन भी निर्मित हो जावेगा।

संस्तुति- बैठक में सुझाव प्राप्त हुआ कि नैक निकष के आधार पर प्रगतिप्रदर्शक खण्ड अवश्य रखे जावें। सुझाव सहित-प्रस्ताव स्वीकृत।

बैठक के अन्त में डॉ. तुलसीदास परौहा द्वारा अध्यक्ष महोदय तथा समस्त सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही सम्पन्न की गई।

(डॉ. शुभम शर्मा)
समन्वयक
आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

(आचार्य शिवशङ्कर मिश्र)
कुलगुरु
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं
वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन